B.A part - II (Sub)

Dr. Umesh Mallick
Asst. prof (Guest Faculty)
Dept. History.

बाबर के आक्रमण के समय भारत की सामाजिक स्थिति :-

बाबर के आक्रमण के समय भारतीय ~~अनेक~~ ~~[illegible]~~ समाज दो भागो में विभाजित था। हिन्दु और मुसलमान, हिन्दू सत्ता खो चुके थे और उनमे जाति विभेद, सती प्रथा, बाल विवाह, पर्दा प्रथा, अंधविश्वास जैसी बुराईयाँ थी। इसी प्रकार मुसलमानों में भी बुराईयाँ जुआ खेलना, शराब पीना, स्त्रियों की संगत करना आदि थी। ये दो वर्ग आपस में झगरते रहते थे। सौभाग्य से उसी समय भक्ति आन्दोलन और सूफी आन्दोलन भारत मे चल रहे थे। जिससे हिन्दू और मुसलमानों के बीच सौहार्दपूर्ण वातावरण तैयार करने का प्रयास किया गया।

बाबर ने सामाजिक आर्थिक और सांस्कृतिक स्थिति के संबन्ध मे लिखा है कि भारत मे कोई विशेष आकर्षण नहीं है। यहाँ के लोगो में सुयोग्यता और बुद्धि के अभाव है। हस्त शिल्प उच्च श्रेणी के नहीं है। घोड़े भी अच्छी किस्म नहीं है। फल स्वादार नहीं थे और न ही उनमे कोई समरूपता ही थी। किसान और निम्न तबके के लोग नंगे रहते थे। पुरूष लंगोट बाँधते थे। स्त्रियाँ धोती पहनती थी और सिर पर भी ~~[illegible]~~ ढकती थी। बाबर द्वारा यहाँ ~~मुल्क~~ मजदूरो की संख्या अधिक थी। बाबर द्वारा दिए गए बातो को स्पष्ट रूप से सही नहीं माना जा सकता है इनमे कुछ बाते गलत भी है क्योंकि भारत में बुद्धि और कुशलता का अभाव था जबकि भारतीयों की योग्यता विश्वविख्यात थी यहाँ सोना चाँदी का भण्डार था।

Scanned with CamScanner